TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

29 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

अगर आप मजबूत बनना चाहते हैं तो सबसे पहले अपनी कमजोरियां दूर करें एक बार कमजोरियां दूर हो जाएगी तो फिर आप कुछ भी कर सकते हैं।

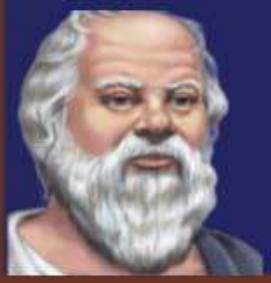

सुकरात

राकेश कुमार

29 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

आप किसी काम में तभी सफल हो सकते हैं

जब आप उस पर गर्व करें।

- नेल्सन मंडेला

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

29 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, अमावस्या तिथि, बुधवार 29 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"कमी पीठ पीछे आपकी बात चले तो घबराना मत क्योंकि बात उन्हीं की होती है जिनमें कोई बात होती है।"

आज के दिन

1528– भारत में मुगल वंश के संस्थापक बाबर ने मेवाड के राजा राणा सांगा को हराकर चंदेरी के किले पर कब्जा किया।

1780– देश के पहले समाचार पत्र हिक्की गजट या बंगाल गजट या कलकत्ता जनरल एडवरटाइजर का कोलकाता से प्रकाशन आरंभ हुआ। अंग्रेजी भाषा के इस समाचार पत्र के संपादक जेम्स आगस्टस हिक्की थे।

1814– फ्रांस ने रूस तथा प्रसा को ब्रियेन के युद्ध में हराया।

1939– रामकृष्ण मिशन सांस्कृतिक संस्थान की स्थापना की गई।

1953– संगीत नाटक अकादमी की स्थापना।

1979– भारत को सबसे पहली जंबो ट्रेन (दो इंजन वाली) तमिलनाडु एक्सप्रेस को नयी दिल्ली स्टेशन से झंडी दिखाकर चेन्नई के लिए रवाना किया गया।

1. **महाराणा प्रताप का निधन**– मेवाड़ के सिसोदिया राजवंश के महान हिन्दू शासक महाराणा प्रताप का 29 जनवरी, 1597 ई. को निधन हुआ था। इतिहास के पन्नों में अपनी वीरता और दृढ़ प्रण के लिए अमर हैं। उन्होंने मुगलों कई बार युद्ध में हराया। कई सालों तक संघर्ष के बाद भी 1576 ई. में हल्दीघाटी के युद्ध में मुगल सम्राट अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की। अपने निर्वासन काल में महाराणा प्रताप ने जंगलों में जंगली जामून खाते थे, शिकार करते थे और मछलियां पकड़ते थे। बारह वर्षों की लंबी अवधि के बाद सन् 1585 में मेवाड को पुनः मुक्त कराने में सफल हुए। 1597 ई. में उनकी नई राजधानी चावंड में उनकी मृत्यु हो गई।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** इस अवसर पर बच्चों को महाराणा प्रताप की वीरता की कहानियां सुनाएं।
2. **बीटिंग द रिट्रीट**– बीटिंग द रिट्रीट भारत के गणतंत्र दिवस समारोह की समाप्ति का सूचक है। इस कार्यक्रम में थल सेना, वायु सेना और नौ सेना के बैंड पारंपरिक धुन के साथ मार्च करते हैं। यह सेना के बैरक वापसी का संकेत है। गणतंत्र दिवस के पश्चात् प्रति वर्ष 29 जनवरी की शाम को बीटिंग द रिट्रीट कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को दूरदर्शन पर बीटिंग द रिट्रीट कार्यक्रम का प्रसारण देखने को प्रेरित करें।
3. **भारत का पहला समाचार पत्र**– भारत का पहला समाचार पत्र अंग्रेजी में 'हिकीज बंगाल गज़ट' के नाम से 29 जनवरी, 1780 ई. को प्रकाशित हुआ था। 'हिक्की गज़ट', 'बंगाल गज़ट' या 'कलकत्ता जनरल एडवाइजर' का कोलकाता से प्रकाशन हुआ था। इस पत्र के सम्पादक 'जेम्स ऑगस्टस हिक्की' थे। पहली बार हमारे देश में सही मायने में कोई अखबार छपा था। इस अखबार के माध्यम से ईस्ट इंडिया कम्पनी में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाया जाने लगा। उस समय यह अखबार मात्र चार पन्नों का हुआ करता था। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने अखबार पर कठिन सेंसरशिप, आरोप और प्रतिबंध लगाने शुरू कर दिए। द बंगाल गजट को आर्थिक और राजनीतिक के अलावा कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हिकी पर कई मुकदमें दर्ज हुए। उन्हें अप्रत्याशित आर्थिक दंड दिया गया, जेल भी हुआ। परिणामतः द बंगाल गजट ज्यादा समय तक नहीं चल पाया। परंतु इस अखबार ने भारतीय पत्रकारिता को एक नया रास्ता दिखाया।
4. **फ्री थिंकर्स डे** – अमेरिका में 29 जनवरी को 'कॉमन सेंस' के रचनाकार थॉमस पैन के जन्मदिन पर फ्री थिंकर्स डे मनाया जाता है। पैन ने इस रचना में अमेरिकी उपनिवेशों की वकालत की थी।
5. **चंदेरी का युद्ध**– 29 जनवरी, 1528 ई. को चंदेरी का युद्ध लड़ा गया। खानवा के युद्ध (1527ई.) के पश्चात् राजपूतों की शक्ति पूरी तरह समाप्त नहीं हुई थी। बाबर राजपूतों की शक्तियों को पूर्ण रूप से समाप्त करना चाहता था ताकि वे उसके विरुद्ध दुबारा न खड़े हो पायें। खानवा के युद्ध में मालवा के राजा मेदिनी राय ने राणा सांगा का साथ दिया था। बाबर ने मेदिनी राय से अपनी अधीनता स्वीकार करने के लिए कहा जिसे मेदिनी राय ने अस्वीकार कर दिया। इसलिए शेष राजपूतों को खत्म करने के लिए बाबर ने चंदेरी का युद्ध लड़ा। इस युद्ध मे मेदिनी राय की पराजय हो गयी। इस युद्ध के पश्चात् कोई राजपूत शासक बाबर से युद्ध करने को नहीं बचा। मेदिनी राय ने अपनी हार के साथ बाबर की अधीनता स्वीकार कर ली। इस युद्ध को जीतने के बाद बाबर के हाथ कुछ नहीं लगा, जिसके कारण बाबर ने इस किले का विध्वंश करा दिया। युद्धोपरांत राजपूतों को बहुत बर्बरता के साथ मौत के घाट उतार दिया गया। चंदेरी की राजपूत महिलाओं ने सामूहिक जौहर कर लिया था। यह महिलाओं द्वारा किया बहुत बड़ा जौहर था।

दिवस प्रेरणा 29

महाराणा प्रताप

(मेवाड के शासक)

दुश्मन के सामने कभी घुटने नहीं टेके ...

संघर्ष

पिता उदय सिंह की मृत्यु के पश्चात जब राणा प्रताप ने राज्य का भार ग्रहण किया तब उन्होंने या प्रतिज्ञा की कि जब तक चित्तौड़ राज्य को मुगल शासक अकबर से ना ले लूँ तब तक महलों में निवास नहीं करूँगा, सोने–चाँदी के बर्तन में नहीं खाऊँगा और पलंग पर नहीं सोऊँगा। कई सालों तक संघर्ष के बाद भी 1576ई. में हल्दीघाटी के युद्ध में मुगल सम्राट अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की। अनेक वर्षों तक महाराणा प्रताप जंगलों में घूमते रहे। वे जंगलों में जंगली जामुन खाते थे, शिकार करते थे और मछलियां पकड़ते थे। कभी भूखे रहे, घास की रोटियां खायी, अपने बच्चे को भूख से तड़पते देखा, लेकिन अकबर के सामने सिर न झुकाया। भयंकर संकट में भी राणा प्रताप कर्तव्य मार्ग से तनिक भी विचलित नहीं हुए। उन्होंने अकबर के विशाल सेना की परवाह नहीं की और उसकी अधीनता स्वीकार नहीं किया।

सफलता

उन्होंने अकबर के विशाल सेना की परवाह नहीं की और उसकी अधीनता स्वीकार नहीं किया। इसलिए अकबर भी उनके साहस और युद्ध की कुशलता से प्रभावित था। महाराणा प्रताप जब जंगल में कष्टमय जीवन व्यतीत कर रहे थे तो उनके पुराने मंत्री भामाशाह ने उनका साथ दिया। प्रताप ने शीघ्र एक सेना तैयार कर युद्ध छेड़ दिया और अपना राज्य फिर से जीत लिया। बारह वर्षों की लंबी अवधि के बाद सन् 1585 में मेवाड़ को पुनः मुक्त कराने में सफल हुए।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल. ई मेल– ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार. contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

29 जनवरी

मधु प्रिया

बीटिंग द रिट्रीट 29 जनवरी

बीटिंग द रिट्रीट भारत के गणतंत्र दिवस समारोह की समाप्ति का सूचक है। इस कार्यक्रम में थल सेना, वायु सेना और नौसेना के बैंड पारंपरिक धुन के साथ मार्च करते हैं। यह सेना की बैरक वापसी का प्रतीक है। गणतंत्र दिवस के पश्चात हर वर्ष 29 जनवरी को बीटिंग द रिट्रीट कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। समारोह का स्थल रायसीना हिल्स और बगल का चौकोर स्थल (विजय चौक) होता है जो की राजपथ के अंत में राष्ट्रपति भवन के उत्तर और दक्षिण ब्लॉक द्वारा घिरे हुए हैं। बीटिंग द रिट्रीट गणतंत्र दिवस आयोजनों का आधिकारिक रूप से समापन घोषित करता है। बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी का गणतंत्र दिवस परेड के तीन दिन बाद आयोजन किया जाता है। इसके साथ गणतंत्र दिवस समारोह का औपचारिक समापन हो जाता है। बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी दिल्ली के विजय चौक पर आयोजित की जाती है, जिसकी अध्यक्षता देश राष्ट्रपति करते हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी गणतंत्र दिवस पर परेड का आयोजन हुआ, जिसमें नए और आत्मनिर्भर भारत की झलक देखने को मिली। परेड में राज्यों की मनमोहक झाकियां भी देखी गई। इसके अलावा भारतीय जवानों को बड़े जोश के साथ कर्तव्य पथ पर मार्च करते देखा गया। गणतंत्र दिवस परेड के बाद आज 29 जनवरी को विजय चौक पर बीटिंग द रिट्रीट समारोह आयोजन किया जाएगा। बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी के साथ गणतंत्र दिवस समारोह का औपचारिक समापन किया जाता है। गणतंत्र दिवस के मौके पर हर साल दिल्ली सहित पूरा देश राजपथ की परेड देखता है। बीटिंग रिट्रीट समारोह शाम होने से थोड़ा पहले शुरू होता है, और जैसे ही सूरज ढलना शुरू होता है, इसका समापन झंडे उतारे जाने के साथ होता है और पूरा विजय चौक और वह सब कुछ जो आप इससे देख सकते हैं - एक तरफ राष्ट्रपति भवन, नॉर्थ और साउथ ब्लॉक और एक तरफ और दूसरी तरफ इंडिया गेट - रोशनी के साथ सैल्युट हैं। इस साल भी बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी 29 जनवरी को आयोजित की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस साल बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी में भारत सबसे बड़ा ड्रोन प्रदर्शन करने जा रहा है। कहा जा रहा है कि इस साल रायसीना हिल के ऊपर आसमान में 3,500 स्वदेशी ड्रोन दिखाई देने वाले हैं। 2023 की बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी एक ड्रोन शो होने वाली है। इतना ही नहीं नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक 3 डी एनामॉर्फिक प्रोजेक्शन स्थापित करने की भी बात कही जा रही है।

जन्मदिन विशेष 29 जनवरी

राकेश कुमार

ओलम्पिक पदक विजेता

श्री राज्यवर्द्धन सिंह राठौर जी

जी को जन्मदिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

राज्यवर्धन सिंह राठौड़ *Rajyavardhan Singh Rathore*, जन्म- 29 जनवरी, 1970, जैसलमेर, राजस्थान) भारत के प्रसिद्ध निशानेबाज़ हैं। अगस्त 2004 में होने वाले एथेंस ओलंपिक में 17 अगस्त को एक नए खिलाड़ी ने नया कीर्तिमान स्थापित किया था, उसने आज़ाद भारत को पहला ओलंपिक रजत पदक दिलाया। किसी व्यक्तिगत स्पर्धा में मिलने वाला रजत पदक भारत को राज्यवर्धन सिंह राठौड़ की बंदूक से मिला। स्वतंत्र भारत में भारत को प्रथम रजत पदक स्वतंत्रता के 57 वर्ष पश्चात् मिला था। उनसे पहले ब्रितानी मूल के भारत में जन्मे नॉर्मन प्रिचर्ड ने 1900 ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक में दो रजत पदक जीते थे।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 29.01.2025

एकांश विश्लेषण

एकांश विश्लेषण, किसी परीक्षण या एकांश की विभेदन क्षमता को निर्धारित करने की प्रक्रिया है. यह लिकर्ट-स्केल बनाने का एक अहम चरण है. एकांश विश्लेषण के ज़रिए, किसी एकांश पर मिले अंकों और कुल एकांशों पर मिले अंकों के बीच सहसंबंध निकाला जाता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

गणतंत्र दिवस की परेड में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की प्रस्तुति "जयति जय मम भारतम 2025" गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल हुई। पहली बार कर्तव्य पथ पर देश के कोने-कोने से आए 5000 से अधिक कलाकारों ने 50 से अधिक भारतीय नृत्य रूपों को प्रदर्शित किया।

स्रोत:
दैनिक भास्कर

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

ICC मेंस टेस्ट

टीम ऑफ द ईयर-2024

- यशस्वी जायसवाल
- बेन डकेट
- केन विलियम्सन
- जो रूट
- हैरी ब्रूक
- कामिन्दु मेंडिस
- जिमी स्मिथ (WK)
- रवींद्र जडेजा
- पैट कमिंस (कप्तान)
- मैट हेनरी
- जसप्रीत बुमराह

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
HAPPY
BIRTHDAY
राज्यवर्धन सिंह राठौर
29 जनवरी 1970
www.teachersofbihar.org
Madhu priya

भारतीय समाचार पत्र दिवस

29 जनवरी

www.teachersofbihar.org

Madhu priya